

व कुल्लाउ उपर)

पबाबली का अवलोकन किया गया। इसके तालाक
का मूल बाद तबीकाट है दूसरे भी मूल बाद तबीकाट
है जारी है प्राब अब है अब कोई कार्यवाही अपेक्षित
करी रहते है तालाक का प्राब अब स्वच्छ किया
जाऊ है। पबाबली कोमल शुकाट लेसुत तम्बड है मर
है बाद रजुकील जाटा कारिबल दकरु लोअरु/अउरु
का है।

590